काई काई देख्यो श्याम के मेले म्हाने भी बतलाओ जरा लिरिक्स

काई काई देख्यो श्याम के मेले,
म्हाने भी बतलाओ जरा,
कैसो लाग्यो श्याम हमारो,
म्हाने भी समझाओ जरा,
काई काई बोलूं काई काई देख्यो,
थे भी देखन जाओ जरा,
माथे टेक के आया म्हे तो,
थे भी टेक के आओ जरा,
काई काई देख्यों श्याम के मेले,
म्हाने भी समझाओ जरा।bd।

तर्ज – नगरी नगरी द्वारे द्वारे।

कैसो थो सिणगार श्याम को,
कुण से फूल को गजरो थो,
बोलो म्हारे श्याम धणी के,
नैण में कुण सो कजरो थो,
म्हारी उत्सुकता ने समझो,
गौर थोड़ो फरमाओ जरा,
काई काई देख्यों श्याम के मेले,
म्हाने भी समझाओ जरा।bd।

बाग़ का सारा फूल भरया था,
मोटो ताजो गजरो थो,
नैना माहि करुणा भरी थी,
गाड़ो गाड़ो कजरो थो,
सुधबुध खोकर आया म्हे तो,
थे भी खोकर आओ जरा,
काई काई देख्यों श्याम के मेले,
म्हाने भी समझाओ जरा।bd।

पांगलिया ने नाचतो देख्यो,
श्याम धणी के बारणे,
अर्जी बोल रह्यो थो गुंगो,
सांवरिये के कारणे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बात अगर झूठी लागे तो,
थे भी जाकर आओ जरा,
Bhajan Diary Lyrics,
काई काई देख्यों श्याम के मेले,
म्हाने भी समझाओ जरा।bd।

काई काई देख्यो श्याम के मेले,
म्हाने भी बतलाओ जरा,
कैसो लाग्यो श्याम हमारो,
म्हाने भी समझाओ जरा,
काई काई बोलूं काई काई देख्यो,
थे भी देखन जाओ जरा,
माथे टेक के आया म्हे तो,
थे भी टेक के आओ जरा,
काई काई देख्यों श्याम के मेले,
म्हाने भी समझाओ जरा।bd।

Singer – Shubham Rupam

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com